केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन
मुख्यालय कार्यालय, प्रयागराज
जनसम्पर्क विभाग

संख्या :
कोर/जी/पीआर/10/22 दिनांक 01.01.2022

प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय रेल द्वारा इस कलेंडर वर्ष में सर्वाधिक विद्युतीकरण का कीर्तिमान

कोविड-19 महामारी के बावजूद भारतीय रेल ने देश की आर्थिक विकास यात्रा को रेल विद्युतीकरण के माध्यम से 'मिशन मोड' पर आगे बढ़ाते हुए इतिहास रचा। अब तक के पिछले सभी रिकार्डों को ध्वस्त करते हुए भारतीय रेलवे के रेल विद्युतीकरण के इतिहास में पहली बार एक कैलेंडर वर्ष में पिछला (2019-20) के सर्वश्रेष्ठ 5,637 आरकेएम को पार करते हुए 6000 आरकेएम से अधिक का विद्युतीकरण लगभग 6200 करोड़ की लागत से पूरा किया है।

प्रयागराज में स्थापित केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन वर्ष1979, में रेल विद्युतीकरण के उद्देश्य की प्राप्ति के लिए भारतीय रेल की अग्रणी संस्था है, जो की अपनी 09 परोयोजनाओं एवं अन्य (अर वी एन एल, इरकान, राइट्स, अन्य क्षेत्रीय रेलवे आदि) के साथ भारतीय रेल को हरित रेल बनाने की राह पर अहम भूमिका निभा रहे है। ज्ञात हो कि भारतीय रेल को वर्ष 2030 तक हरित रेलवे बनाने का लक्ष्य पूरा किया जाना है।

कोर इकाईयां
अहमदाबाद
कोलकाता
जयपुर
लखनऊ
चेन्नई
गुवाहाटी
बैंगलोर
सिकंदराबाद
अंबाला

दिनांक 31.12.2021 को केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन प्रयागराज के महाप्रबंधक श्री यशपाल सिंह के कुशल नेतृत्व में इस संगठन की लखनऊ परियोजना ने उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मण्डल में आने वाले उत्तर प्रदेश में शिकोहाबाद से मैनपुरी (51.8 RKM) खण्ड का सीआरएस निरीक्षण के पश्चात इस उपलब्धि को प्राप्त किया गया।

Agency Wise achievement 2021		
Agency	RKM	%age contribution
CORE	3526	58.4%
RVNL	1362	22.6%
Z RLY	648	10.7%
KRCL	334	5.5%
PGCIL	86	1.4%
RITES	82	1.4%
Total	6038	100%

इस वर्ष के प्रारम्भ से ही सदस्य अवसंरचना एवं मुख्य रेल सुरक्षा आयुक्त के दिशा निर्देश और क्षेत्रीय

रेलवे एवं मण्डल कार्यालय के सक्रिय समर्थन के द्वारा कैलेंडर वर्ष 2021 के दौरान आरकेएम, कर्षण वितरण आदि के कार्यों को अधिक से अधिक कर के 6000 आरकेएम के लक्ष्य को प्राप्त किया गया | इस कैलेंडर वर्ष मे प्राप्त किए गए लक्ष्यों मे महत्वपूर्ण खंडों का विवरण निम्न है :-

केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन प्रयागराज की लखनऊ परियोजना ने उत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में आने वाले सुल्तानपुर से अयोध्या कैंट (58.24 RKM) खण्ड एवं अकबरपुर से अयोध्या कैंट 61.15 RKM) का विद्युतीकरण के पश्चात उत्तर प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों जैसे अयोध्या, काशी/वाराणसी एवं प्रयागराज जाने वाले दर्शनार्थियों एवं दैनिक यात्रियों को काफी सुविधा एवं परिचालन समय में बचत भी होगी।

मिशन इलेक्ट्रिफिकेशन के तहत कोर द्वारा लगभग1600 रूट किलोमीटर ट्रैक एवं अन्य संस्थाओं द्वारा शेष 400 रूट किलोमीटर विद्युतीकरण का कार्य जिसमें श्रीरामपुर से न्यू बोंगाईगांव खण्ड का विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण हो जाने के उपरान्त दिल्ली से कामाख्या तक का मार्ग पूर्णरूप से विद्युतीकृत हो गया है। अब इस रूट पर बिना इंजन परिवर्तन के सवारी एवं माल भाड़ा गाड़ियाँ निर्वाध रूप से विद्युत कर्षण पर चलने लगी है, जिस कारण से समय एवं ईंधन में होने वाला व्यय की बचत हो सकी।

विद्युत कर्षण द्वारा इस रूट पर चलने वाली पहली सवारी गाड़ी ब्रहम्पुत्र मेल थी जो नई दिल्ली स्टेशन से चलकर कामाख्या स्टेशन तक की पूरी यात्रा विद्युतीकृत मार्ग पर सम्भव हो सकी। कामाख्या स्टेशन असम राज्य के गुवाहाटी स्टेशन के बगल में है जो पूर्वोत्तर क्षेत्र का प्रमुख स्टेशन है, एवं पर्यटन एवं धार्मिक दृष्टिकोण से अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। जहाँ देश के कोनेकोने से पर्यटक एवं श्रद्धालु ट्रेन के माध्यम से - यात्रा करते है।

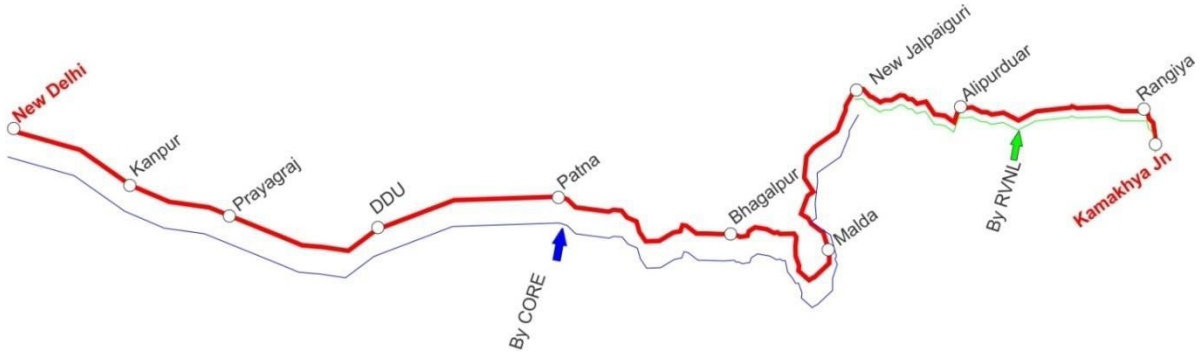

जिसमें प्रमुख यात्री गाड़ी संख्या 02504 नई दिल्ली - डिब्रूगढ़ राजधानी एक्स्प्रेस, 05956 पुरानी दिल्ली - कामाख्या ब्रम्हपुत्र मेल, 02424 नई दिल्ली - डिब्रूगढ़ राजधानी एक्स्प्रेस, 05910 लालगढ़ - डिब्रूगढ़ अवध आसाम एक्स्प्रेस, 02550 आनन्द विहार-कामाख्या नार्थइस्ट एक्स्प्रेस, 05623 भागवत की कोठी - कामाख्या एक्स्प्रेस, 02502 आनन्द विहार–अगरतला तेजस एक्स्प्रेस , एवं 05622 आनन्द विहार–कामाख्या एक्स्प्रेस का परिचालन अब विद्युत कर्षण पर सम्भव हो सका है जिसमें कोर की महत्वपूर्ण भूमिका है ।

सिकंदराबाद परियोजना द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मण्डल में आने वाले, बालोद से दल्ली राझरा (24 RKM) खण्ड का विद्युतीकरण कार्य पूर्ण करने के उपरान्त जिससे लौह अयस्क की अधिक मात्रा हाई एचपी विद्युत इंजन द्वारा कम समय में भिलाई स्टील प्लांट सप्लाई की जा सकती है।

इसी कैलेंडर वर्ष में हाईराइज ओएचई के सपने को पहली बार मूर्त रूप दिया गया जिससे पालनपुर से पीपावव पोर्ट तक डबल डेकर माल गाड़ियों का परिचालन सम्भव हो सका है। सावरकुंडला - पिपावाव का निरीक्षण 21 फरवरी 2021 को किया गया , जिससे पालनपुर-सुरेन्द्रनगर-पिपावाव खंड से 25 केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन शुरू करने के लिए आसान होगा, जो पश्चिम रेलवे के पूर्ण विद्युतीकरण के लिए पश्चिम रेलवे में पहला कदम बढ़ाएगा। 03.03.2021 को, ढोला से पिपावाव बंदरगाह के लिए पहली इलेक्ट्रिक गुड्स ट्रेन को हरी झंडी दिखाई गई । इस तरह विद्युत ट्रैकशन पर पालनपुर से पीपावाव पोर्ट के DFC रूट का आखरी माइलस्टोन परिपूर्ण किया गया ।

विद्युतीकरण के दौरान तारों को दौड़ाने के लिए ट्रैक के ऊपर बने कई पुलों को ऊपर उठाया गया जिससे तारों को आवश्यक क्लियरेंस सुनिश्चित किया जा सके। श्री यशपाल, के अनुसार इनमें गुजरात में सावरकुंडला एवं राजुला के पास पुल को उठाना बहुत चुनौतीपूर्ण रहा।

कोविड की आपदा को मौके में तब्दील करते हुए ईऑफिस का प्रयोग प्रारम्भ कर दिया गया-, जिससे पेपर लेस वर्किंग के साथ ही कार्य का निपटान शीघ्रता से प्रारम्भ हो सका। इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एवं कन्ट्रक्शन विधा को वृहद स्तर पर लागू किए जाने से विद्युतीकरण के टेण्डरों को तीव्रता के साथ पूरी तरह निपटाना सम्भव हुआ। कोर में ऑनलाइन इंडेंट की प्रक्रिया शुरू की गई और यूजर डिपो माड्यूल भी लागू किया गया। डिजिटल माध्यम लागू करने से इन क्रिया कलापों में वित्तीय बचत हुई ।

श्री यशपाल के अनुसार उपरोक्त महत्वपूर्ण सेक्शनों के विद्युतीकृत हो जाने से देश के विकास के पहिये को और गति मिलेगी। डीजल के आयात में कमी से ' आत्मनिर्भर भारत ' के सपने को साकार करने में मदद मिलेगी।

रेल विद्युतीकरण टीम प्रतिबद्ध है की हम लगातार रिकार्ड तोड़ते रहेंगे, बड़े लक्ष्य हासिल करेंगे, अपने प्रदर्शन से दूसरों के लिए उदाहरण बनेगे और भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान देंगे।

(अमिताभ शर्मा)
मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी
कोर/प्रयागराज